DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

17 August, 2023

पीएम-ईबस सेवा

संदर्भ: कैबिनेट ने शहरी बस संचालन को बढ़ाने के उद्देश्य से योजना **"पीएम-ईबस सेवा"** को स्वीकृति प्रदान की है। इस योजना में उन शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी जहां वर्तमान में संगठित बस सेवाओं का अभाव है।

योजना अवलोकन

- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर ई-बसों का उपयोग करके सिटी बस संचालन को बढ़ाने के लिए **"पीएम-ईबस सेवा"** योजना स्वीकृति प्रदान की है।
- यह योजना 169 शहरों में 10,000 ई-बसें तैनात करने के लिए निर्धारित है।
- योजना की कुल अनुमानित लागत 57,613 करोड़ रुपये है, जिसमें केंद्र सरकार का समर्थन 20,000 करोड़ रुपये है। यह योजना 10 वर्षों की अवधि के लिए बस संचालन को कवर करेगी।

दायरा और प्राथमिकताएँ

- यह योजना 2011 की जनगणना के अनुसार तीन लाख और उससे अधिक की आबादी वाले शहरों को लक्षित करती है। इसमें केंद्र शासित प्रदेश की राजधानियाँ, उत्तर पूर्वी क्षेत्र और पहाड़ी राज्य शामिल हैं।
- उन शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी जहां वर्तमान में संगठित बस सेवाओं का अभाव है।
- इस पहल का लक्ष्य उन क्षेत्रों तक पहुंचना है जो वर्तमान में सार्वजनिक परिवहन से वंचित हैं।

रोजगार सृजन

- लगभग 10,000 ई-बसों की तैनाती से सिटी बस संचालन में लगभग 45,000 से 55,000 व्यक्तियों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होने की उम्मीद है।

योजना खंड

- **खंड ए - सिटी बस सेवाओं को बढ़ाना:**
  - यह खंड पीपीपी मॉडल के माध्यम से 10,000 ई-बसें शुरू करके सिटी बस संचालन को बढ़ाने पर केंद्रित है।
  - संबद्ध बुनियादी ढांचे के विकास में डिपो सुविधाओं को उन्नत करना और ई-बसों के लिए मीटर के पीछे बिजली बुनियादी ढांचे का निर्माण शामिल है।
- **खंड बी - हरित शहरी गतिशीलता पहल (जीयूएमआई):**
  - यह खंड हरित गतिशीलता पहल पर जोर देता है, जिसमें बस प्राथमिकता, मल्टीमॉडल इंटरचेंज सुविधाएं, एनसीएमसी-आधारित स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली और चार्जिंग बुनियादी ढांचे जैसे तत्व शामिल हैं।
  - यह योजना टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल शहरी परिवहन समाधानों के विकास का समर्थन करती है।

संचालन एवं समर्थन

- राज्य और शहर बस सेवाओं को चलाने और बस ऑपरेटरों को भुगतान करने के लिए जिम्मेदार होंगे।
- केंद्र सरकार बस संचालन को समर्थन देने के लिए प्रस्तावित योजना में निर्दिष्ट सब्सिडी प्रदान करेगी।

ई-मोबिलिटी को बढ़ावा देना

- इस योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रिक के बुनियादी ढांचे के लिए पर्याप्त सहायता प्रदान करके ई-गतिशीलता को बढ़ावा देना है।
- ग्रीन अर्बन मोबिलिटी पहल के तहत चार्जिंग बुनियादी ढांचे के विकास को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- नवोन्वेषी और कुशल इलेक्ट्रिक बसों के लिए योजना के समर्थन का उद्देश्य ध्वनि, वायु प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन को कम करना है।
- बस-आधारित सार्वजनिक परिवहन पर बढ़ती निर्भरता से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आने की उम्मीद है।

अधिकृत आर्थिक संचालकों की पारस्परिक मान्यता व्यवस्था

संदर्भ: कैबिनेट ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अधिकृत आर्थिक ऑपरेटरों की पारस्परिक मान्यता व्यवस्था को मंजूरी दे दी है।

कैबिनेट की मंजूरी और शामिल संस्थाएं

- पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने एमआरए हस्ताक्षर को मंजूरी दी।
- इसमें भारत से केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) शामिल है।
- इसमें ऑस्ट्रेलिया का गृह विभाग (ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल को शामिल करते हुए) शामिल है।

निर्यातकों के लिए पारस्परिक लाभ और सुव्यवस्थित सीमा शुल्क

- दोनों देशों के मान्यता प्राप्त निर्यातकों को लाभ प्रदान करता है।
- आयातित वस्तुओं के लिए सीमा शुल्क निकासी को सरल बनाता है।

वैश्विक मानकों और सुरक्षित व्यापार के साथ तालमेल

- एमआरए विश्व सीमा शुल्क संगठन के सेफ फ्रेमवर्क के साथ संरेखित है।
- इसका उद्देश्य सुरक्षित और कुशल सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करना है।

प्रभावी कार्यान्वयन एवं समन्वय

- एमआरए अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा समर्थन पर प्रभावी होता है।
- प्रस्तावित एमआरए पाठ सीमा शुल्क प्रशासन के सहयोग से विकसित किया गया।

मजबूत व्यापार संबंध और सहज प्रक्रियाएं

- इससे दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध बढ़ने की सम्भावना है।

एईओ

- एक अधिकृत आर्थिक ऑपरेटर (एईओ) अंतरराष्ट्रीय वस्तु गतिशीलता में भागीदार है।
- AEO का दर्जा राष्ट्रीय सीमा शुल्क प्रशासन द्वारा प्रदान किया जाता है।
- AEO को WCO या इसी तरह की संस्थाओं द्वारा निर्धारित आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा मानकों के अनुपालन के लिए मान्यता दी जाती है।
- यह मान्यता निर्माताओं, आयातकों, निर्यातकों, मध्यस्थों, वाहकों और अन्य सहित विभिन्न भूमिकाओं तक फैली हुई है।
- यह समेकनकर्ताओं, मध्यस्थों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, टर्मिनल ऑपरेटरों, एकीकृत ऑपरेटरों, गोदामों और वितरकों जैसी संस्थाओं तक फैला हुआ है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- यह निर्यातकों के लिए अधिक सुव्यवस्थित सीमा शुल्क प्रक्रियाओं की सुविधा प्रदान करता है।

सुरक्षित और कुशल सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देना

- सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखलाओं का समर्थन करता है और व्यापार सुविधा को बढ़ावा देता है।

प्रत्याशित लाभ

- अपेक्षित लाभों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बेहतर आर्थिक सहयोग, बढ़ी हुई व्यापार दक्षता और सुरक्षित सीमा पार व्यापार शामिल है।

ग्राफीन-अरोरा कार्यक्रम

संदर्भ: इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने हाल ही में केरल में **'ग्राफीन-अरोरा कार्यक्रम'** का उद्घाटन किया है।

- इसमें स्टार्टअप और उद्योगों के लिए अनुसंधान एवं विकास तथा व्यावसायीकरण के बीच अंतर को पाटने का लक्ष्य है।
- डिजिटल यूनिवर्सिटी केरल में कार्यान्वित है।
- यह MeitY, केरल सरकार और उद्योग भागीदारों से संयुक्त वित्त पोषित है।
- इसके तहत 'इंडिया ग्राफीन इंजीनियरिंग एंड इनोवेशन सेंटर (I-GEIC)' नाम से एक सेक्शन 8 कंपनी की स्थापना की गई है।
- इसका कुल बजट 94.85 करोड़ रुपये है
- **उद्योग भागीदार**: कार्बोरंडम प्राइवेट लिमिटेड।
- व्यावसायीकरण के लिए इंडिया इनोवेशन सेंटर ग्राफीन (आईआईसीजी) जैसे अनुसंधान केंद्रों पर विचार किया जा रह है।
- त्रिवेन्द्रम में डिजिटल साइंस पार्क में प्रारंभिक संचालन।
- उभरते ग्राफीन प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के पोषण पर ध्यान देना आवश्यक है।
- ग्राफीन प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण एसएमई और स्टार्टअप का समर्थन करता है।
- इसमें वैश्विक सामग्री बाजार में भारत को स्थान दिलाने का लक्ष्य।
- हार्डवेयर स्टार्टअप विकास में मेकर विलेज के योगदान की स्वीकृति है।
- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद परीक्षण के लिए एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की प्रतिबद्धता है।

ग्राफीन

- ग्राफीन मधुकोश पैटर्न में व्यवस्थित कार्बन परमाणुओं की एक परत है।
- यह बिजली और गर्मी दोनों के लिए अविश्वसनीय रूप से पतला, मजबूत और अत्यधिक प्रवाहकीय है।
- इसके उल्लेखनीय गुण विभिन्न उद्योगों में क्रांति लाने की क्षमता रखते हैं।
- ग्राफीन की थोड़ी सी मात्रा मिलाने से भी सामग्री की ताकत काफी बढ़ सकती है या उसका वजन कम हो सकता है।
- ग्राफीन की असाधारण ऊष्मा चालकता इसे हीट सिंक जैसे गर्मी फैलाने वाले समाधानों के लिए उपयुक्त बनाती है।
- अनुप्रयोगों में माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स (उदाहरण के लिए, अधिक कुशल एलईडी प्रकाश व्यवस्था) से लेकर थर्मल फ़ॉइल जैसे बड़े उपयोग तक शामिल हैं।
- इसका उच्च सतह-क्षेत्र-से-आयतन अनुपात इसे बैटरी और सुपरकैपेसिटर के लिए आशाजनक बनाता है, जो बढ़ी हुई ऊर्जा भंडारण और तेज़ चार्जिंग को सक्षम बनाता है।
- ग्राफीन के संभावित अनुप्रयोग जंग रोधी कोटिंग्स, सेंसर, कुशल इलेक्ट्रॉनिक्स, लचीले डिस्प्ले, सौर पैनल, डीएनए अनुक्रमण, दवा वितरण और बहुत कुछ तक विस्तारित हैं।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

सार्स-CoV-2

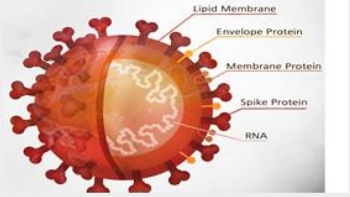

सार्स (SARS)-CoV-2 क्या है?

SARS-CoV-2 एक नया कोरोना वायरस है जो COVID-19 महामारी के लिए जिम्मेदार है। इसका अर्थ "गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम कोरोनावायरस 2" है और इसे पहले वाले वायरस का उत्तराधिकारी माना जाता है।

वैश्विक उपस्थिति: SARS-CoV-2 के वेरिएंट दुनिया भर में देखे गए हैं।

उत्परिवर्तन प्रभाव: उत्परिवर्तन वायरस की विशेषताओं को बदल देते हैं।

RNA बनाम डीएनए उत्परिवर्तन: सुधार तंत्र की कमी के कारण RNA वायरस तेजी से उत्परिवर्तन करते हैं। इस उत्परिवर्तन से वायरस का प्रभुत्व हो सकता है।

RBD उत्परिवर्तन: रिसेप्टर-बाइंडिंग डोमेन (RBD) परिवर्तन वायरस प्रवेश और एंटीबॉडी इंटरैक्शन को प्रभावित करते हैं।

वैक्सीन प्रभावकारिता: कुछ प्रकार के टीके इसकी प्रभावशीलता को प्रभावित करते हैं।

INSACOG: यह भारतीय कंसोर्टियम, वेरिएंट की निगरानी और विश्लेषण करता है।

जीनोमिक निगरानी: INSACOG वायरस के विकास, संचरण, वैक्सीन प्रभाव को भी ट्रैक करता है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

Ministry of Environment, Forest and Climate Change
Government of India

हाल ही में, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने भारतीय वन सर्वेक्षण, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो और केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण जैसी एजेंसियों के विलय के अपने पिछले फैसले को परिवर्तित दिया।

उद्देश्य: मंत्रालय के तहत संचालन को केंद्रीकृत करना।

कारण: तकनीकी एवं प्रशासनिक जटिलताएँ।

MoEFCC के बारे में:

नोडल भूमिका: पर्यावरण और वानिकी नीतियों के लिए केंद्रीय प्राधिकरण।

केंद्र बिंदु के क्षेत्र: संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और पशु कल्याण।

उद्देश्य: प्राथमिक लक्ष्यों में वनस्पतियों, जीवों, वनों और वन्य जीवन का संरक्षण शामिल है।

प्रदूषण नियंत्रण: इसका उद्देश्य प्रदूषण को रोकना, नियंत्रित करना और वनीकरण को बढ़ावा देना है।

	वैश्विक भूमिकाएँ: संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम, आईसीआईएमओडी और अन्य के लिए एक नोडल एजेंसी। **मार्गदर्शक नीतियाँ:** यह राष्ट्रीय संरक्षण रणनीति जैसी नीतियों द्वारा निर्देशित संचालित होता है। **मंजूरी:** यह मंत्रालय सुव्यवस्थित पर्यावरणीय स्वीकृतियों के लिए परिवेश पोर्टल का प्रबंधन करता है।
पोंग बांध 	**पोंग बांध के बारे में:** पोंग बांध को भाखड़ा नागल बांध के नाम से भी जाना जाता है। यह भारत में पंजाब और हरियाणा की सीमा पर तलवाड़ा में ब्यास नदी पर स्थित एक बहुउद्देशीय बांध है। **उद्देश्य:** सिंचाई, पनबिजली और बाढ़ नियंत्रण के लिए बहुउद्देश्यीय बांध। **निर्माण:** 1974 में पूरा हुआ और "भाखड़ा नांगल बांध" के रूप में इसका उद्घाटन किया गया। **जलाशय:** इसे पोंग जलाशय या पोंग झील के नाम से जाना जाता है। **जलग्रहण - क्षेत्र:** हिमाचल प्रदेश में प्राथमिक जलग्रहण क्षेत्र। **लाभ:** पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के क्षेत्रों को सिंचाई प्रदान करता है। **जलविद्युत ऊर्जा:** क्षेत्र के लिए जलविद्युत उत्पन्न करता है। **हाल की घटना:** अतिरिक्त पानी को नीचे की ओर छोड़ कर बढ़ते जल स्तर को नियंत्रित किया गया है।
मिज़ो पहाड़ियाँ 	**मिज़ो पहाड़ियां के बारे में:** **अवस्थिति:**मिज़ो हिल्स, जिसे अब मिज़ोरम के नाम से जाना जाता है, भारत के उत्तरपूर्वी भाग में स्थित है। **सर्वाधिक ऊँची चोटी:** सबसे ऊंची चोटी फौंगपुई (ब्लू माउंटेन)। **नदी प्रणालियाँ:** तलावंग और तुइवई जैसी कई नदियाँ, पानी और आजीविका के लिए महत्वपूर्ण हैं। **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:** 1960 के दशक की शुरुआत में, मिज़ो नेशनल फ्रंट (MNF) ने स्वायत्तता और स्वतंत्रता की मांग करते हुए मिज़ो हिल्स में एक अलगाववादी आंदोलन का नेतृत्व किया। **ऑपरेशन जेरिको:** MNF ने क्षेत्र के सबसे बड़े शहर आइजोल पर कब्ज़ा करने और मिज़ो हिल्स पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए 1966 में "ऑपरेशन जेरिको" शुरू किया। **MNF के लक्ष्य:** एमएनएफ का लक्ष्य क्षेत्र पर नियंत्रण हासिल करना, सुरक्षा बलों की उपस्थिति को चुनौती देना और स्वायत्तता के लिए अपने दावों पर जोर देना है। **हवाई सहायता:** भारतीय वायु सेना (IAF) ने विद्रोही ठिकानों के खिलाफ आक्रामक हवाई अभियान चलाकर सेना के अभियानों का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। **ऐतिहासिक महत्व:** ऑपरेशन जेरिको पूर्वोत्तर में उग्रवाद और प्रतिविद्रोह के इतिहास में एक महत्वपूर्ण प्रकरण बना हुआ है। **सीख:** ऑपरेशन ने प्रभावी आतंकवाद विरोधी उपायों के लिए सेना और वायु सेना के बीच समन्वित सैन्य प्रतिक्रिया और सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित किया।
ज़ार्थ ऐप 	**ज़ार्थ ऐप क्या है?** ➢ ZARTH का अर्थ है "ZTF ऑगमेंटेड रियलिटी ट्रांसिएंट हंटर।" ➢ कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलो के खगोलविदों द्वारा विकसित। **उद्देश्य:** ➢ खगोल विज्ञान के प्रति उत्साही और आम जनता दोनों को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया। ➢ ज़्विकी ट्रांसिएंट फैसिलिटी (ZTF) में खगोल विज्ञान डेटा शामिल होता है। **Transients:** ➢ **Transients** अचानक होने वाली, अल्पकालिक ब्रह्मांडीय घटनाएँ हैं। ➢ ZTF पालोमर वेधशाला में एक रोबोटिक दूरबीन है जो हर दो दिन में आकाश को स्कैन करती है। ➢ ZTF विशाल डेटा एकत्र करता है, जिसमें सुपरनोवा, चमकते तारे जैसे **Transients** शामिल हैं। **ऐप की कार्यक्षमता:** ➢ ZARTH विज्ञान को गेमिंग जैसे अनुभव के साथ जोड़ता है। ➢ उपयोगकर्ता संवर्धित वास्तविकता सेटिंग में क्षणिक लोगों की "शिकार" करते हैं। ➢ यह Transients तत्वों के आधार पर अंक अर्जित किए जाते हैं, जिससे प्रतिस्पर्धी माहौल बनता है।
डेन्यूब नदी 	डेन्यूब नदी के किनारे हाल के घटनाक्रमों के कारण यूक्रेन के अनाज व्यापार में सुलिना चैनल का महत्व तेजी से स्पष्ट हो गया है। **अवस्थिति:** डेन्यूब नदी जर्मनी, ऑस्ट्रिया, स्लोवाकिया, हंगरी, क्रोएशिया, सर्बिया, बुल्गारिया, रोमानिया, मोल्दोवा और यूक्रेन सहित कई यूरोपीय देशों से होकर बहती है। **लंबाई: यह** यूरोप की दूसरी सबसे लंबी नदी है जो लगभग 2,850 किलोमीटर तक फैली हुई। **स्रोत:** जर्मनी के ब्लैक फॉरेस्ट क्षेत्र से निकलती है और दक्षिण-पूर्व की ओर बहती है। **चैनल:** डेल्टा के प्रमुख चैनलों में चिलिया, सुलिना और सेंट जॉर्ज शामिल हैं। **सुलिना चैनल:** यह यूक्रेनी बंदरगाहों को काला सागर से जोड़ने वाला प्राथमिक व्यापार मार्ग है, जो अनाज निर्यात के लिए आवश्यक है। यह लगभग 63 किमी लंबा है और रोमानिया के भीतर स्थित है। **डेन्यूब डेल्टा:** यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, डेल्टा एक जटिल आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र है जो विविध वनस्पतियों और जीवों का समर्थन करता है।

समाचारों में स्थान

ट्राइटन द्वीप

अवस्थिति: ट्राइटन द्वीप दक्षिण चीन सागर में स्थित है, विशेष रूप से पारासेल द्वीप समूह के भीतर।

विवादित क्षेत्र: यह द्वीप संप्रभुता और क्षेत्रीय दावों को लेकर चीन, वियतनाम और ताइवान सहित कई देशों के बीच विवाद का विषय है।

चीनी उपस्थिति: चीन ने ट्राइटन द्वीप पर बुनियादी ढांचा स्थापित किया है, जिसमें एक छोटा बंदरगाह, इमारतें, हेलीपैड, रडार सरणी और बहुत कुछ शामिल है।

हवाई पट्टी निर्माण: हाल की उपग्रह छवियों से संकेत मिलता है कि चीन क्षेत्र के अन्य द्वीपों पर अपनी कार्रवाई के समान, ट्राइटन द्वीप पर एक हवाई पट्टी का निर्माण कर रहा है।

सामरिक महत्व: शिपिंग लेन और अंतर्राष्ट्रीय जल के निकट होने के कारण दक्षिण चीन सागर में द्वीप का स्थान रणनीतिक महत्व रखता है।

भूराजनीतिक तनाव: ट्राइटन द्वीप की विवादित स्थिति और चीन की निर्माण गतिविधियाँ दक्षिण चीन सागर में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव में योगदान करती हैं।

POINTS TO PONDER

- **हिमाचल प्रदेश में चावल की कौन सी पारंपरिक किस्म लोकप्रियता हासिल कर रही है**? - लाल चावल
- **लीबिया का सबसे ऊँचा पर्वत कौन सा है**? - बिक्कू बिट्टी
- **पोंग बांध कहाँ स्थित है**? - ब्यास नदी, भारत
- **यूक्रेन के अनाज व्यापार के लिए कौन सा चैनल महत्वपूर्ण है**? - सुलिना चैनल
- **स्टीरियो-ए अंतरिक्ष यान मिशन का फोकस क्या है**? - सूर्य-पृथ्वी